Regarding AIIMS in Mumbai

श्री रविन्द्र दत्ताराम वायकर **(**मुम्बई उत्तर-पश्चिम**) :** माननीय सभापति महोदया, मैं आज इस सदन के माध्यम से मुंबई और मुंबई महानगर क्षेत्र (MMR) में एम्स अस्पताल और कैंसर अनुसंधान केंद्र की स्थापना की अत्यावश्यकता पर ध्यान आकर्षित करना चाहता हूं । मुंबई केवल महाराष्ट्र की आर्थिक राजधानी ही नहीं, बल्कि पूरे देश का एक महत्वपूर्ण चिकित्सा केंद्र है, जहां लाखों लोग इलाज के लिए आते हैं । मुंबई के उपनगर भारत के सबसे घनी आबादी वाले क्षेत्रों में से एक हैं । यहां की जनसंख्या में हो रही तेज वृद्धि और चिकित्सा सुविधाओं पर बढ़ते दबाव के कारण, आधुनिक और समर्पित अस्पतालों की स्थापना की अत्यंत आवश्यक हो गई है ।

आज, हमारे पास केईएम, जेजे, टाटा मेमोरियल जैसे बेहतरीन अस्पताल हैं, लेकिन वे उपनगरों और महानगर क्षेत्र में रहने वाले लाखों लोगों की चिकित्सा जरूरतों को पूरा करने के लिए पर्याप्त नहीं हैं । विशेष रूप से कैंसर जैसी गंभीर बीमारी के लिए इलाज की बात करें तो स्थिति और भी चिंताजनक है । कैंसर के उपचार के लिए समर्पित अस्पतालों की भारी कमी है । मुंबई और एमएमआर क्षेत्र में कैंसर रोगियों की संख्या लगातार बढ़ रही है, लेकिन इन रोगियों को समय पर इलाज नहीं मिल पाता, जिसके कारण उन्हें न केवल अपनी बीमारी से जूझना पड़ता है, बल्कि आर्थिक और मानसिक कठिनाइयों का भी सामना करना पड़ता है । बिहार राज्य में दो एम्स की स्थापना हो चुकी है । महाराष्ट्र में केवल एक एम्स है, जो नागपुर में स्थित है, जबकि मुंबई जैसे महानगर में एम्स अस्पताल का न होना एक गंभीर चिंता का विषय है । एम्स जैसी प्रतिष्ठित चिकित्सा संस्थान की स्थापना से यहां लाखों लोगों को उच्च गुणवत्ता वाला, किफायती और सुलभ इलाज मिलेगा ।

मैं सरकार से निवेदन करता हूं कि इस महत्वपूर्ण विषय पर गम्भीरता से विचार किया जाए और सरकार शीघ्र ही इस दिशा में ठोस निर्णय लेकर उप नगर में एम्स की स्थापना करें ।